ना चाहूँ मैं सर पे कभी ताज ज़रा सी श्याम दया कर दे

ना चाहूँ मैं सर पे कभी ताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे,
आजा अब तो बचा दे लाज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे।bd।

तर्ज – तुम आए तो आया मुझे याद।

कैसे निकलूं अपने घर से,
बादल की ज्यूं नैना बरसे,
तुमसे कुछ न छुपा सरताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे,
ना चाहूं मैं सर पे कभी ताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे।bd।

इतने ग़म है सह ना पाऊं,
तुमसे भी मैं कह ना पाऊं,
मुख से निकले नहीं अल्फ़ाज़,
ज़रा सी श्याम दया कर दे,
ना चाहूं मैं सर पे कभी ताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे।bd।

सब कर्मों का लेखा जोखा,
मुझको ना तू देना धोखा,
तुझे 'जालान' कहे ये आज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे,
ना चाहूं मैं सर पे कभी ताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे।bd।

ना चाहूँ मैं सर पे कभी ताज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे,
आजा अब तो बचा दे लाज,
ज़रा सी श्याम दया कर दे।bd।

गायक – राधे राधे पुजारी जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com